the Railway Board to give technical sanction of this work even though the Government have allotted separate amounts for this work during 1973-74 and 1974-75; and

(b) is so, the reasons for delaying this technical sanction and the steps taken by Government to ensure the early commencement of the work?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) and (b). Patch doubling on Shoranur-Alwaye section covering a length of 18 km is in progress and is expected to be completed by December, 1974. With regard to the remaining portion of Shoranur-Alwaye section and doubling of Olavakkot-Shoranur section, re-assessment of traffic prospects is being made.

विद्युत की कमी के कारण जल के विद्युत विश्लेषण पर आधारित अमोनिया संयंत्रों का विवश होकर बन्द किया जाना

6080. **श्री वयालार रवि** : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) देश मे गत एक वर्ष के दौरान जल के विद्युत-विश्लेषण पर आधारित कितने अमोनिया सयत्र विद्युत की कमी के कारण विवश होकर बन्द करने पडे ,

(ख) क्या सरकार को मालूम है कि केरल मे ऐसे सयत्र स्थापित करने की बडी गुंजाईश है जहा पानी तथा विद्युत प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है और कोचीन उर्वरक सयत्र के लिये प्रति वर्ष 40 हजार टन अमोनिया का आयात किया जा रहा है, और

(ग) यदि हा, तो सरकार ने इन बन्द हुए सयत्रो मे से एक सयत्र को केरल मे स्थानांतरित करने या जल के विद्युत विश्लेषण पर आधारित एक नये सयत्र की इस राज्य मे स्थापना की सम्भाव्यता की जाच की है , और यदि हा, तो उक्त जाच के क्या निकर्ष निकले , और यदि नही, तो इसके क्या कारण है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खा) : (क) बिजली की कमी के कारण 1973–74 के दौरान जल के विद्युत-विश्लेषण पर आधारित काई उरवर्क सयत्र बन्द नही करना पडा, यद्यपि क्षेत्र मै बिजली बाधाओ के कारण नागल सयत्र को उत्पादन कम करना पडा था ।

(ख) और (ग). उरवर्क क्षमता के विकास का निर्णय मुख्यत तकनीकि आर्थिक तथ्यो को ध्यान मं रख कर किया जाता है बिजली की बढ़ती हुई आवश्यकता के सदर्भ मे अमोनिया उत्पादन के लिए सयंत्र को इस समय विद्युत विश्लेषण प्रक्रिया पर आधारित करना बचत पूर्ण अथवा सम्भाव्य नही होगा ।

मध्य प्रदेश में बिजली की प्रति व्यक्ति उपलब्धता तथा खपत

6081. **श्री गंगा चरण दीक्षित** : क्या सिंचाई और विद्युत मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) सम्पूण महाकौशल क्षेत्र (मध्य प्रदेश) के विभिन्न जिलो मे बिजली की प्रति व्यक्ति उपलब्धता तथा खपत के बारे मे नवीनतम स्थिति क्या है और यह स्थिति मध्य प्रदेश के बाकी भाग तथा देश के अन्य भागों की तुलना मे कैसी है और

(ख) सम्पूर्ण महाकौशल क्षेत्र, विशेष रूप से होशंगाबाद तथा पूर्व निमार जिलों को मध्य प्रदेश के बाकी भागों तथा देश के

अन्य भागों के समान लाने के बारे में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शिवेश्वर प्रसाद) : (क) 1971 की जनगणना पर आधारित 1972-73 के दौरान सम्पूर्ण महाकौशल क्षेत्र के विभिन्न जिलों में विद्युत की प्रतिव्यक्ति खपत निम्नलिखित है :—

जिला	प्रति व्यक्ति खपत (यूनिट में)
रायपुर	34
बस्तर	12
बिलासपुर	36
रायगढ़	18
दुर्ग	296
सरगुजा	38
जबलपुर	130
नरसिंघपुर	18
मांडला	4
दमोह	8
सागर	32
छिंदवाड़ा	47
बालाघाट	11
सिवनी	8
होशंगाबाद	47
बैतूल	22
पूर्वी निमाड़	158

शेष मध्य प्रदेश में विद्युत की प्रति व्यक्ति खपत 39 यूनिट थी और अखिल भारतीय औसत 96.6 यूनिट थी।

विद्युत (ऊर्जा) की प्रति व्यक्ति उपलब्धता विद्युत उत्पादन क्षमता जमा अन्तः सम्पर्कों पर संभव आयात पर निर्भर करती है और इसे जिलावार नहीं दिया जा सकता। मध्य प्रदेश में, ऊर्जा की प्रति व्यक्ति उपलब्धता 1972–73 में 79 यूनिट थी।

(ख) विभिन्न राज्यों के बीच और यहां तक की उसी राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में असमानताओं को दूर करने के लिए सरकार की नीति के अनुसार विभिन्न जिलों मे विद्युतीकरण स्कीमें शरू की जा रही है ताकि अपेक्षाकृत पिछड़े हुए जिलों में और तेजी से विकास किया जा सके इसी प्रकार विद्युत तथा उद्योगों आदि के आयोजन का राज्यों के बीच असमानताओं को हटाना एक लक्ष्य है।

मध्य प्रदेश मे पांचवी पंच वर्षीय योजना के दौरान 94 मैगावट की कुल विद्युत उत्पादन परियोजनाएं प्रतिष्ठापन के लिए परिकल्पित हैं।

बिजली की कमी को पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश द्वारा मांगी गई धनराशि

6082. **श्री गंगा चरण दीक्षित** : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य में बिजली की अनुमानित कमी को पूरा करने के लिए धनराशि देने के लिए केन्द्रीय सरकार को कोई ज्ञापन दिया है;

(ख) यदि हां, तो उस ज्ञापन में दी गई मुख्य बातें क्या हैं ; और